

mate total foodgrains requirements of the country.

(e) During 1967-68, there was an increase in the production of both rice and wheat as compared to the production in the previous year. Still wheat prices recorded a fall and rice prices registered a rise.

Figures of production of rice and wheat for 1968-69 are not yet available and no conclusion can be drawn in this matter for the current year.

Radio Station for Haryana

638. SHRI YASHPAL SINGH :
SHRI SHRI CHAND GOYAL :

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleasee to state:

(a) whether the proposal to open a new Radio Station in Haryana has since been finalised ;

(b) if so, the site selected for the same; and

(c) the financial implications thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Yes, Sir. It has been decided to set up a Radio Station at Rohtak in Haryana State.

(b) Details of the proposal are being worked out.

(c) Rs. 55 lakhs approximately.

F. C. I. Office in Delhi

639. SHRI MUHAMMAD SHERIFF: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Food Corporation of India has been permitted to have its office in the Delhi for one year more;

(b) the place to which the office was likely to be shifted; and

(c) the reasons for the extension of the period for that office by one year ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) and (b). The Head office of the Food Corporation of India was shifted from Madras to New Delhi with effect from 1st July, 1967 and there has been no proposal to shift the same to any other place.

(c) Does not arise.

समाचारपत्रों को वित्तीय सहायता

640. श्री सूरज भान :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री रणजीत सिंह :

श्री रामगोपाल शालवाले :

श्री देवकी नन्दन पाटोदिया :

श्री इन्द्रजीत गुप्त :

श्री प्रेम चन्द वर्मा :

श्री क. लक्ष्मी :

श्री अदिचन :

श्री प० मु० सईद :

श्री मणिभाई जे० पटेल :

श्री श्रद्धाकर सूपकार :

श्री रा० कृ० बिडला :

श्री हिम्मतसिंहका :

श्री जुगल मंडल :

श्री दी० चं० शर्मा :

श्री ज्योतिर्मय बसु :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री 19 फरवरी, 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 226 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समाचारपत्रों को वित्तीय सहायता देने के सम्बन्ध में इस बीच नीति निर्धारित कर ली गई है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मन्त्रालय और संचार विभाग में राज्य मन्त्री (श्री इ० कु० गुजराल): (क) से (ग). समाचारपत्रों को वित्तीय सहायता देने के लिये एक समाचार वित्त निगम बनाने के बारे में प्रेस परिषद् की सिफारिशों अप्रैल, 1969 के प्रारम्भ में प्राप्त हुई थीं और वे सिफारिशों सम्बन्धित मन्त्रालयों/विभागों के परामर्श के साथ विचाराधीन है। योजना को अन्तिम रूप देने में कुछ समय लगेगा।

चारे की कमी

641. श्री सुरज भान :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री रणजीत सिंह :

श्री रामगोपाल शालवाले :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री चारे की कमी के सम्बन्ध में 20 फरवरी, 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 389 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अपेक्षित सूचना इस बीच एकत्रित कर ली गई है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या LT—1332/169]

सूती कपड़ा उद्योग सम्बन्धी द्वितीय मजूरी बोर्ड का प्रतिवेदन

642. श्री सुरज भान :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री रणजीत सिंह :

श्री रामगोपाल शालवाले :

श्री हिम्मतसिंहका :

श्री स० मो० बनर्जी :

श्री इन्द्रजीत गुप्त :

श्री क० मि० मधुकर :

श्री इसहाक साम्भली :

श्री अदिचन :

श्री रामावतार शास्त्री :

श्री रा० बरुआ :

श्री चेंगलराया नायडू :

श्री नि० रं० लास्कर :

श्री कंवरलाल गुप्त :

श्री ओम प्रकाश त्यागी :

श्री भा. सुन्दर लाल :

श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :

श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

श्री गु० च० नायक :

श्री एस० जेबियर :

श्री रा० रा० सिंह देव :

श्री रा० की० अमीन :

श्री जे० मुहम्मद इमाम :

श्री के एम० अब्राहम :

श्री उमानाथ :

श्री द० रा० परमार :

क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री 20 फरवरी, 1969 के तारांकित प्रश्न संख्या, 62 के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि सूती कपड़ा उद्योग सम्बन्धी द्वितीय मजूरी बोर्ड के प्रतिवेदन पर क्या निर्णय किया गया है और उसके क्या परिणाम निकले हैं ?

श्रम रोजगार तथा पुनर्वास मन्त्रालय में